एस. एस. कॉलेज जहानाबाद
विभाग - हिन्दी
विषय - 'चन्द्रगुप्त' नाटक
वर्ग - स्नातक प्रतिष्ठा भाग 1
शिक्षण माध्यम - व्हाट्स-एप
समय - 11 बजे से 12 बजे तक, (5.8.2020)
शिक्षक - डॉ. शोभा शर्मा
पाठ - प्रथम अंक

प्रिय छात्र छात्राओं।

पिछली कक्षा में आपने देखा था कि मगध की राजनीति किस तरह विलासिता के पंक में डूबी व्यभिचार और पतन के कगार पर थी। पिछले उद्धरणों के अंत में मगध में धार्मिक ऊहापोह का भी संकेत है। यहाँ से धार्मिक ऊहापोह जनता को दिग्भ्रमित करने का अच्छा कारण बनता है। इसका सजीव चित्र मगध में देखने को मिलता है। चाणक्य वैदिक धर्म का अनुयायी है अनुयायी है और राक्षस प्रच्छन्न बौद्ध है। अतएव इन दोनों के संघर्ष से तत्कालीन बौद्ध-वैदिक संघर्ष ध्वनित होता है। तक्षशिला का गुरुकुल विशेषतः वैदिक मत का है अतएव राक्षस (मगध का मंत्री) उसका विरोध करता है — 'केवल स्वधर्म की शिक्षा ही मनुष्य के लिए पर्याप्त है और वह तो मगध में ही मिल सकती है'। इस पर चाणक्य का कथन है — 'परन्तु बौद्ध धर्म की शिक्षा मानव व्यवहार के लिए पूर्ण नहीं हो सकती, भले ही वह संघ-विहार में रहनेवाले के लिए उपयुक्त हो'..... 'यदि आम्भीक ने आक्रमण-भारत करने का विचार किया हो तो जन्मभूमि की भलाई के लिए उसका दमन कर दें। क्योंकि

राष्ट्र का पुनर्मिलन केवल कर्मचारी संयमी ब्राह्मण ही कर सके है। एक जीवहत्या से डरनेवाले तपस्वी बौद्ध, सिर पर मँडराने वाली विपत्तियों से, स्थल समुद्र की आँधियों से, आर्यावर्त की रक्षा करने में असमर्थ प्रमाणित होंगे। इन उक्तियों में ब्राह्मण-बौद्ध द्वन्द्व का आभास मिल जाता है।

नाटक में अध्ययन-अध्यापन के लिए प्रसिद्ध गुरुकुलों की व्यवस्था दिखाई गई है। तक्षशिला का गुरुकुल मान्य विद्या केन्द्र है। गुरुकुल के नियम अत्यन्त कठोर और सर्वमान्य होते हैं। राजा भले ही उसका रक्षक हो परन्तु गुरुकुल का नियंत्रण गुरुकुल के आचार्य के ही अधीन होता है। गुरुकुल में अध्ययन करने वाले को राजवृत्ति मिलती है।

इसके अतिरिक्त नाटक में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति का भी अच्छा चित्रण मिलता है। इस विषय में ग्रीक और भारतीय संस्कृतियों में एकता दिखाई पड़ती है। पर्दे की प्रथा नहीं है। राजकीय वर्ग की महिलाएँ भी राजसभाओं में उपस्थित होती हैं और आवश्यकता पड़ने पर स्वच्छंदतापूर्वक अपने विचार भी प्रकट करती हैं। अवस्था और परिस्थिति के अनुसार युद्ध-क्षेत्र में भी भाग देती हैं। कल्याणी, मालविका और अलका इसके प्रमाण हैं।

विशेष अगली कक्षा में।

(signature)

5-8-2020